22-2-22

पत्रावली पेश हुई। प्रकरण अन्तर्गत 340 द.प्र.सं. प्रकरण दर्ज रजिस्टर किया। मूल दावा में मूल दावा विचाराधीन होने से मूल दावा निस्तारण होने के पश्चात कार्यवाही प्रारम्भ की जावेगी। पत्रावली [illegible] रखी जावे।

उपखण्ड अधिकारी

Signature Not Verified

Digitally signed by Neeraj Kumar Meena
Date: 2022.03.20 22:45:43 IST
Reason: SelfAttested

Scanned with CamScanner